

SEC4-C पाठ्यचर्या : पटकथा लेखन और साहित्य और फिल्मांतरण  
SEMESTER – V

इकाई	पाठ्यविषय
इकाई-I	<p>पटकथा (स्क्रिप्ट) लेखन, अर्थ, परिभाषा और सामान्य परिचय।</p> <p>पटकथा (स्क्रिप्ट) के तीन अंग- कथा, पटकथा और संवाद। उदाहरण सहित संक्षिप्त जानकारी।</p> <p>तीनों की परस्परावलंबिता और दृश्य-श्रव्य माध्यम में महत्व।</p> <p>पटकथा (स्क्रिप्ट) लेखन की प्रक्रिया।</p> <p>विचार (आइडिया) – वन लाइनर या लॉग लाइन – सारांश (शीर्षक, कथावस्तु, पात्रों की सूची।)</p> <p>प्लॉट बनाना – पात्रों का परिचय और उन्हें स्थापित करना, पात्रों का विकास।</p> <p>ड्राफ्ट बनाना – इनडोर/आउटडोर, समय, स्थान, संवाद, पात्र की क्रिया और प्रतिक्रिया।</p>
इकाई-II	<p>दृश्य-श्राव्य माध्यम के विभिन्न प्रकारों के लिए स्क्रिप्ट लेखन। (सामान्य दिशा निर्देश)</p> <p>वृत्तचित्र – टेलिफिल्म, शॉर्टफिल्म, विज्ञापन, फिल्म- वॉक थ्रू एवं अन्य – चलचित्र।</p> <p>शॉर्ट फिल्म के लिए स्क्रिप्ट लेखन का विशेष परिचय।</p> <p>पटकथा के प्रारूप और मुख्य सॉफ्टवेयरों की जानकारी।</p>

**SEMESTER – VI**

इकाई	पाठ्यविषय
इकाई-I	<p>सिनेमा : स्वरूप विवेचन, सिनेमा की परिभाषा</p> <p>हिंदी फीचर फिल्म के प्रकार</p> <p>हिंदी सिनेमा में अंतर्निहित तत्व</p> <p>हिंदी साहित्य और सिनेमा का अन्तसंबंध</p> <p>भारत में सिनेमा का उद्भव और विकास</p> <p>समानांतर हिंदी सिनेमा</p> <p>इक्कीसवीं सदी में हिंदी सिनेमा।</p>
इकाई-II	<p>साहित्य का फिल्मांतरण</p> <p>फिल्मांतरण : स्वरूप, महत्व</p> <p>हिंदी उपन्यासों पर आधारित हिंदी फिल्में : सारा आकाश, नौकर की कमीज, चित्रलेखा।</p> <p>हिंदी कहानियों पर आधारित हिंदी फिल्में : सद्गति, तीसरी कसम, मोहनदास।</p>